दुर्गा माँ की महिमा | By Hari Om Bhardwaj |

हे मईया मेरी शारदे
करो कृपा मुझपे अपार
हे गौरी के लाल तुम
करो काज मेरे साकार

हे शिव पत्रानी तेरे मां
कितने कितने रूप
काली लक्ष्मी सरस्वती मां
ये हैं बड़े अनूप

हे जग की जगदीश्वरी
तेरी महिमा बड़ी निराल
तेरे अनुकंपा से मईया
रंग बने समताल

चरण कमल की सेवा मांगू
बनूं तेरा मैं गुलाम
मुझ निर्धन की कुटिया को मां
अपना बना लो धाम

तेरे दर की रज भी मईया
लगे चंदन के समान
जगत पिता शिव शंकर भी
करे तेरा गुणगान

तेरे भवन जले जगमग ज्योति
फैला है प्रकाश
मेरे अंधेरे दूर करोगी
बस तुमसे ही है आस

अष्ट भुजाओं रूपों वाली
है मां सिंह पे सवार
भक्तों की पीड़ा हरती मां
दुष्टों का करती संहार

भर दो मुझमें सतगुण मां
हरो मेरे सभी विकार
गुण तेरे मैं निशदिन गाऊं
करो मेरा भी बेड़ा पार

जयति जयति जय दुर्गा माता
गुण तेरे जन जन है गाता
तुम ही दुर्गा तुम ही भवानी
देवलोक तुम्हें शीश झुकाता

चंड मुंड को मारने वाली
रक्त बीज संहारने वाली
महिमा तुम्हारी अपरंपार

भक्तों को भाव से तारने वाली

तुम वैष्णो मां तुम हो ज्वाला
तुम काली का रूप विक्राला
तुम ही जगत की जननी हो
हृदय तुम्हारा है सहवाला

जो मईया को निशदिन ध्याए
घर में मां की ज्योत जलाए
हो सपने उसके साकार
सुख समृद्धि फल वो पाए

मां की ममता का छोड़ नहीं
पाते हैं भक्त सुजान
उनके सर कट जाते हैं
जो करते हैं अभिमान

सतियों का सत है मेरी मईया
पार करे फंसी भव में नैया
मईया ही है पालनहार
मईया ही इस जग की रचैया

कन्या को मां योगेश्वरी देती
सिद्ध सभी काज कर देती
इसको श्रद्धा से जो पूजे
उसके भंडारे मां भर देती

दुखियों के दुख हरती मईया
झोली उनकी भरती मईया
मां का हृदय दया का सागर
निर्धन को धन करती मईया

सुनेगा जो मां की अमृतवाणी
सफल वो होगा जग में प्राणी
मां पूजा फल मिलता निश्चित
मां जैसा नहीं कोई भी शाणी

हे मां चरण कमलों का
मुझको दास बना लेना
बस तेरी सेवा ही मांगू
और मुझे कुछ मत देना

पड़े कभी ना भूख से लड़ना
ये एहसान मां मुझपे करना
तुम बिन कोई सहारा नहीं है
अन्न धन से मेरा घर भरना

करे पूजा व्रत जो तुम्हारा
मिले हर बंधन से छुटकारा
कभी संताप न उसको घेरे
वो बोले मां का जयकारा

दुर्गा रूपों का गुण जो गाए
जीवन अपना सफल बनाए
मिले न उसको कभी निराशा
लक्ष्य उसे उसका मिल जाए

जब मईया को क्रोध है आए
काल भी मईया से घबराए
मईया को वो तनिक न भाए
जिसके भक्तों को जो सताए

हे अंबे जगदंबे मां आना
होकर सिंह पे सवार
मेरी झोली में खुशियां भरना
खड़ा मैं हाथ पसार

नमो नमो हे नमो भवानी
जग माता जग की कल्याणी
तुम देवों की रक्षक हो मां
तुम ऋषियों की करुण की रानी

संतों को सिद्धि बल देती
भक्तों को सुखद पल देती
हो कठिनाई जब जीवन में
मुश्किल को मां हल कर देती

बिगड़े हुए की भाग्य संवारे
मिलती है मुक्ति मां के द्वारे
मां उसको ही दर्शन देती
जो हृदय से मां को पुकारे

कहीं हमने दुर्गा अमृतवाणी
करनी करुणा हे दुर्गा भवानी
जिस घर मां तेरा दीप जले
रक्षा उसकी करो महारानी

दुखड़े उसके हरती हो मां
करता जो तेरा ध्यान
बली का बल तुम ही हो मईया
हो ज्ञानी का ज्ञान

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%ae%e0%a4%be-by-hari-om-bhardwaj/